29 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट को हरी झंडी

इन्वेस्टर्स समिट में दो लाख करोड़ रुपये के आए थे निवेश प्रस्ताव प्रशासन ने विभागों से मांगी रिपोर्ट

राजीव बाजपेयी • लखनऊ

ग्लोबल इन्वेटर्स समिट में लखनऊ में करीब दो लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए थे, जिनमें से 29,524 करोड़ के प्रस्तावों पर मुहर लग गई है। प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी से पहले हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट शहर से गांवों तक मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार की आधारशिला रखेंगे। प्रशासन ने ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी से पहले विभागों को पचास हजार करोड़ के लक्ष्य तक पहुंचने के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश सरकार ने फरवरी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया था, जिसमें लखनऊ में दो लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव आए थे। एमएसएमई सेक्टर से लेकर एनर्जी, हाउसिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, इंटीग्रेटेड टाउनशिप, पर्यटन व लाजिस्टिक, आइटी, फार्मास्यूटिकल, शिक्षा और दूसरे सेक्टर में निवेशकों ने प्रस्ताव दिए थे। प्रशासन और उद्योग विभाग ने अब तक जो आंकड़े विभागों से जुटाए हैं, उनके आधार पर 29 हजार करोड़ के 269 छोटे और बड़े प्रोजेक्ट जमीन पर जल्द दिखाई देंगे।

डिफेंस कारिडोर में कई प्रोजेक्ट शुरू

लखनऊ में निवेश की संभावनाओं को सबसे अधिक बल डिफेंस सेक्टर से मिल रहा है। सरोजनीनगर में ब्रम्होस मिसाइल की यूनिट लग चुकी है और अगले कुछ महीनों में मिसाइल का निर्माण भी शुरू हो जाएगा। लखनऊ की कंपनी पीटीसी इंडस्ट्री ने साढ़े तीन सौ करोड़ का निवेश किया है जो कई रक्षा और उड्डयन, तेल और गैस सेक्टर की मशीनों के कलपुर्जे तैयार करेगी। पीटीसी की यूनिट भी जल्द शुरू हो रही है। हाल ही में कंपनी ने हवाई जहाज के इंजनों के कलपुर्जे तैयार करने का भी करार किया है। ये कुलपुर्जे लखनऊ यूनिट में ही बनाए जाएंगे।

सौ करोड़ से अधिक के कुछ प्रमुख प्रोजेक्ट

टाटा टेक्नोलाजी	4,174 करोड़	अमरावती ग्रुप	300 करोड़
ओमेक्स इंफ्रा	1,000 करोड़	सेफायर इंफ्रा	260 करोड़
हमसफर डीलर प्राइवेट लि	800 करोड़	इंडस रेगेलिया होटल	200 करोड़
अपोलो हास्पिटल	700 करोड़	एएनएस डवलपर्स	549 करोड़
बालाजी वेफर्स प्रालि	500 करोड़	बाबा इंफ्रा	225 करोड़
रिशिता डवलपर्स	812 करोड़	यलो आइस बायोटेक	404.72 करोड़
बीबीडी ग्रप	600 करोड़	क्यू लाइन बायोटेक प्रा. लि	500 करोड़
इकाना ग्रुप	344 करोड़	इवोलाइफ स्पेस प्रालि	200 करोड़
ओरो रियल इंफ्रा	105 करोड़	हल्दीराम	500 करोड़
जीके आर्थोसिटी	200 करोड़	किसानग्रो एग्रोटेक्नोलाजी	300 करोड़
ओरो इंफ्रा डवलपर्स	439.71 करोड़	यूनिवेस्ट इंटरनेशनल	550 करोड़
एक्सीलिया ग्रुप	सौ करोड़		

कुछ प्रमुख सेक्टरों में निवेश प्रस्ताव

सेक्टर	प्रस्ताव	निवेश	एमएसएमई	201	4557.95 करोड़
एनर्जी	15	63060 करोड़	तकनीकी शिक्षा	21	1625.49 करोड़
हाउसिंग	167	39269.9 करोड़	पुशपालन	35	328.74 करोड़
शहरी विकास	27	17502.6 करोड़	आइटी,इलेक्ट्रानिक्स	25	4417.5 करोड़
यूपीसीडा	35	13999.9 करोड़	मेडिकल हेल्थ	22	6440.37 करोड़

इन क्षेत्र में निवेश मैन्युफैक्चरिंग, पशुपालन, एग्रीकल्चर एंड एलाइड, इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्सटाइल, पर्यटन, शिक्षा, रक्षा, आइटी एंड इलेक्ट्रानिक्स, हेल्थकेयर, वेयरहाउसिंग एंड लाजिस्टिक, रिन्यूएबल एनर्जी व फार्मास्युटिकल एंड मेडिकल डिवाइसेस

डीएम सूर्यपाल गंगवार का कहना है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेश के जो भी प्रस्ताव आए है, एक-एक कर उनकी लगातार समीक्षा हो रही है, किस प्रोजेक्ट को क्या जरूरत है, उसके लिए अफसरों की टीम लगी है, लखनऊ में कुल निवेश के प्रस्तावों में से एक चौथाई के करीब लक्ष्य जल्द हासिल हो जाएगा। प्रत्येक सप्ताह निवेशकों और उद्योग विभाग के अफसरों के साथ बैठक हो रही हैं। यही वजह है कि अब तक यह 29 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट आगे बढ़ रहे हैं। उपायुक्त उद्योग मनोज चौरसिया ने कहा कि सभी सेक्टर में निवेश हो रहा है।